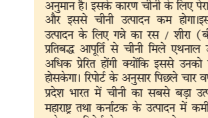

सोना 135 रुपए लुढ़का, चांदी 100 रुपए फिसली

नई दिल्ली,15 मई (ए)। वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में रही तेजी के बीच ऊंचे भाव पर खुदरा जेवराती मांग कमजोर पड़ने से बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 135 रुपए लुढ़ककर 33,260 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। चांदी भी 100 रुपए की गिरावट में 38,200 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई।

लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, सोना हाजिर आज 0.80 डॉलर की तेजी में 1,297.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा 1.20 डॉलर चमककर 1,297.50 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिका-चीन विवाद के कारण वैश्विक बाजारों में पीली धातु की मांग बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी हाजिर 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 14.81 डॉलर प्रति औंस के भाव बिकी।

ओरिफ्लेम हेयरएक्स के साथ लॉचिंग के लिए तैयार

नई दिल्ली,15 मई (ए)। भारत का प्रमुख डायरेक्ट सेलिंग स्वीडिश ब्यूटी ब्रांड ओरिफ्लेम हेयरएक्स के साथ हेयर केयर प्रोडक्ट्स के अपने सबसे एडवांस सेट की लॉन्चिंग के लिए तैयार है। ब्रांड हेयरएक्स हमेशा पेशेवर विशेषज्ञता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और ध्यान से चयनित सामग्री के लिए पहचाना जाता है। अपने ओरिजिनल लॉन्च के बाद से ब्रांड ने बड़े पैमाने पर विकास किया है, जो उसकी बेजोड़ उत्कृष्टता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति है। नई पीढ़ी के हेयरएक्स कलक्शन में अत्याधुनिक प्रोडक्ट्स हैं जो यूजर्स को एडवांस हेयर ग्रोथ, प्रोटेक्शन और कंडीशनिंग प्रदान करते हैं। हेयरएक्स एडवांस्ड केयर की नई रेंज में सक्रिय तत्व हैं जो बालों को नया बनाने की ताकत रखते हैं। हेयरएक्स एडवांस्ड केयर में प्राथमिक तत्व फाइटोन्यूट्रीएंट्स हैं, जो पौधों में पाए जाने वाले प्राकृतिक रसायन हैं। इसे सोयाबीन और सैफ्लावर सीड ऑयल से निकाला गया है। यह प्रोटीन और लिपिड के मामले में बेहद समृद्ध हैं जो बालों की प्राकृतिक संरचना का 93त्न हिस्सा होते हैं। ये उन तत्वों के समान हैं जो पहले ही मानव बालों में मौजूद हैं और बालों की प्राकृतिक संरचना और आवश्यक घटकों के साथ एक आदर्श संतुलन बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। प्रोटीन से भरपूर सोयाबीन एक्स्ट्रेक्ट्स बालों में पोषण तो देते ही हैं, गहराई के साथ कंडीशनिंग भी करते हैं।

अध्ययन में पाया गया व्यायाम से पहले और बाद में बादाम पसंदीदा स्नैकिंग नट

नई दिल्ली,15 मई (ए)। जैसे-जैसे लोग अच्छा दिखने, तनाव कम करने और स्वस्थ वजन बनाए रखने के लिए व्यायाम करते हैं, कसरत से पहले और बाद में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने का बहुत महत्व है। मार्केटिंग अनुसंधान कंपनी, इप्सोस द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में उपरोक्त निष्कर्षों को मान्य किया गया और निष्कर्ष निकाला गया कि 75 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने व्यायाम के पूर्व और बाद अपने आहार में बादाम को शामिल करना पसंद किया। 86 प्रतिशत लोगों ने बादाम का सेवन करने के बाद स्वयं को दिन भर में अधिक ऊर्जावान महसूस हुआ।अध्ययन में यह भी पाया गया कि 67 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्नैक को प्री और पोस्ट वर्कआउट दोनों के रूप में लेना चाहा, और इनमें से 80 प्रतिशत ने हमेशा या निरन्तर संतुलित आहार खाना पसंद किया। इप्सोस द्वारा कराये गये मात्रात्मक अध्ययन का उद्देश्य पुरुषों और महिलाओं की पूर्व और पोस्ट स्नैकिंग वरीयताओं की पहचान करना था। परिणामों से संकेत मिलता है कि प्री और पोस्ट वर्कआउट दोनों में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन पर नाश्ता करना सभी के लिए अत्यधिक महत्व का था।

चीनी उत्पादन में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट के आसार, रह सकता है 8.4प्रतिशत तक कम

नई दिल्ली,15 मई (ए)। गन्ने के उत्पादन में संभावित कमी के चलते अक्टूबर-सितंबर 2019-20 के चीनी विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 8.4 प्रतिशत घटकर 3.03 करोड़ टन रह सकता है। यूएसडीए की एक नवीनतम रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब देश में चीन का उत्पादन घटेगा। चालू विपणन वर्ष 2018-19 में चीनी उत्पादन 3.3 करोड़ टन रहने का अनुमान है। इससे पिछले साल उत्पादन 3.43 करोड़ टन था। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, वर्ष 2019-20 चीनी का उत्पादन 8.4 प्रतिशत घटकर 3.03 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो लगातार दूसरे वर्ष चीनी उत्पादन में गिरावट साबित होगा। यूएसडीए के अनुसार, राष्ट्रीय-औसत चीनी रिकवरी दर में शुद्ध कमी के साथ-साथ पिछले चीनी वर्ष की तुलना में गन्ना उत्पादनद रहने का अनुमान है। इसके कारण चीनी के लिए पेराई का गन्ना कम मिलेगा और इससे चीनी उत्पादन कम होगा।इसके अलावा, इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का रस / शीरा (बी-हैवी मोलासेस) की प्रतिबद्ध आपूर्ति से चीनी मिले एथनाल उत्पादन की ओर और अधिक प्रेरित होंगी क्योंकि इससे उनको ज्यादा नकद धन प्राप्त होसकेगा। रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में तीसरी बार, उत्तर प्रदेश भारत में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य होगा और महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के उत्पादन में कमी की कुछ भरपाई कर सकेगा। रिपोर्ट के अनुसार आलोच्य अवधि में कुल 47 लाख हेक्टेयर रकबे में गन्ने का उत्पादन आठ प्रतिशत घटकर 35.5 करोड़ टन रहेगा। बाजार की स्थितियों के सामान्य होना मानते हुए, यूएसडीए की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 35 लाख टन चीनी का निर्यात कर सकता है। चीनी की खपत में मामूली बढ़कर 2.85 करोड़ टन हेगी और अगले सीजन से पहले कुल 1.7 करोड़ टन चीनी का पुराना स्टॉक उपलब्ध होगा।

भारतीय फार्मा कंपनियों ने अमेरिका में दायर मुकदमे में आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली,15 मई (ए)। डॉक्टर रेड्डीज, वर्कहार्ट, ऑरोबिंदो और ग्लेनमार्क जैसी मेडिसिन बनाने वाली बड़ी भारतीय फार्मा कंपनियों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। इन बड़ी फार्मा कंपनियों पर अमेरिका में एंटी-ट्रस्ट का मुकदमा दायर हुआ है, मंगलवार को इन कंपनियों ने दामों को फिक्स करने के आरोपों से इनकार किया है।

ये घरेलू मेडिसिन निर्माता कंपनियां 21 नॉर्मल मेडिसिन कंपनियों और 15 अन्य व्यक्तिगत प्रतिवादियों में से हैं, जिनके खिलाफ अमेरिका के 49 राज्यों के अटॉर्नी जनरल, प्यूर्टो रिको के कॉमनवेल्थ और कोलंबिया जिले ने अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में 116 मेडिसिन के संबंध में शिकायत दर्ज की थी। कंपनियों पर कीमतों को फिक्स करने और ग्राहकों को बांटने के लिए एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। स्टॉक एक्सचेंजों को अलग-अलग स्पष्टीकरण में कंपनियों ने इस प्रकार के आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे मामले में खुद के बचाव के लिए खड़े रहेंगे। डॉक्टर रेड्डीज ने कहा कि हम इन आरोपों का पूरी तरह से विरोध करेंगे और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में इसके लिए काम कर रहे हैं। कंपनी ने कहा कि उसकी अमेरिकी सहायक कंपनी का ओवररचिंग कॉन्सपिरेसी के लिए 5 जेनेरिक मेडिसिन (सिप्रोफ्लोक्सासिन एचसीएल टैबलेट, ग्लिमपिराइड टैबलेट, ऑक्सापैरोजिन टैबलेट, पैरिकलसिटोल और टीजेनिडाइन) को लेकर खासतौर पर नाम लिया गया है। कंपनी ने इसके आगे कहा कि वर्तमान में इस तरह से कंपनी के संचालन में किसी तरह का प्रभाव नहीं होगा और आगे सबकुछ ठीक होता रहेगा। सन फार्मा ने कहा कि राज्यों की तरफ से दायर दूसरे मुकदमों में इसकी सहायक टैरो फार्मास्यूटिकल्स यूएसए इंक का नाम दिया गया है। कंपनी ने एक न्यूज आर्टीकल में स्टॉक एक्सचेंजों को अपनी स्पष्टीकरण में कहा कि इस तरह के आरोप बेबुनियाद हैं और हमारी सहायक कंपनियां इस तरह के आरोपों के खिलाफ खड़ी रहेंगी।

वॉकहार्ट ने कहा कि एंटी-ट्रस्ट एक्शन कई जेनेरिक मेडिसिन की कीमत में बढ़ोतरी का है। कंपनी ने इस तरह के आरोपों को खारिज किया है और इस मामले के खिलाफ सख्ती से बचाव कार्य में जुटी हुई है।

ईडी ने कोचर दंपति से 8 घंटे की पूछताछ

नई दिल्ली,15 मई (ए)। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर 1,875 करोड़ रुपये के वीडियोकॉन ऋण मामले की जांच के संबंध में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पूछताछ के लिए पेश हुए, और एजेंसी ने उनसे आठ घंटे तक पूछताछ की।कोचर दंपत्ति मंगलवार सुबह खान मार्केट इलाके में स्थित ईडी मुख्यालय पहुंचे, और उनसे शाम सात बजे तक पूछताछ की गई। उनसे कुछ दस्तावेज लाने को कहा गया है। एजेंसी के अधिकारियों ने कोचर दंपत्ति से वीडियोकॉन समूह के प्रमोटर और चेयरमैन वेणुगोपाल धूत से उनके सौदे तथा उनके बीच हुए आर्थिक लेन-देन के बारे में पूछताछ की।यह मामला 2009 और 2011 के दौरान आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह को 1,875 करोड़ रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवैध लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें दीपक कोचर की कंपनी न्यूपॉवर को करोड़ों रुपये दिए गए थे। कोचर दंपति से पिछले महीने मुंबई में कई बार पूछताछ हुई थी। दिल्ली में कोचर दंपति पहली बार ईडी के समक्ष पेश हुए। ईडी ने मार्च में अपनी जांच के तहत कोचर दंपत्ति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और चंदा तथा उनके पति दीपक कोचर के साथ-साथ धूत से पूछताछ भी की थी।

धूत ने कथित रूप से दीपक की कंपनी न्यूपॉवर रीन्यूवेबल्स लिमिटेड में अपनी कंपनी सुप्रीम इनर्जी के माध्यम से निवेश किया था, जिसके बदले में चंदा कोचर आईसीआईसीआई बैंक से ऋण को मंजूरी दिला दें। वीडियोकॉन समूह को दिए गए कुल 40,000 करोड़ रुपये के ऋण में से 3,250 करोड़ रुपये का ऋण आईसीआईसीआई बैंक द्वारा दिया गया था और आईसीआईसीआई के ऋण का बड़ा हिस्सा 2017 के अंत तक बकाया था।

ल्यूपिन का मुनाफा ढाई गुना हुआ

मुंबई,15 मई (ए)। देश की अग्रणी दवा कंपनियों में शामिल ल्यूपिन का शुद्ध लाभ गत वित्त वर्ष 141 फीसदी की तेज छलांग लगाकर 606.6 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2018 में 251.3 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। कंपनी द्वारा बुधवार को जारी वित्तीय परिणाम के आंकड़ों के मुताबिक बीते वित्त वर्ष उसकी परिचालन से प्राप्त आय 5.8 प्रतिशत बढ़कर 15,804.1 करोड़ रुपए से 16718.2 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। कंपनी ने इस अवधि में 16,369.4 करोड़ रुपए की दवाओं की बिक्री की जो वित्त वर्ष 2018 15,559.8 करोड़ रुपए से 5.2 फीसदी अधिक था। गत वित्त वर्ष की 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी को 289.6 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था जबकि वित्त वर्ष 2018 की अंतिम तिमाही में कंपनी को 783.5 करोड़ रुपए की हानि हुई थी। कंपनी की बिक्री भी इस दौरान 3,978.5 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,325.9 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने आलोच्य वित्त वर्ष में कुल बिक्री का 9.6 प्रतिशत यानी 1,573.1 करोड़ रुपए शोध के मद में खर्च किया। उसके निदेशक मंडल ने 250 प्रतिशत के अंतरिम लाभांश की सिफारिश की है। ल्यूपिन की बिक्री गत वित्त वर्ष उत्तरी अमेरिका और लातिन अमेरिकी देशों में घटी जबकि भारत में 12.4 प्रतिशत बढ़कर 4,638.2 करोड़ रुपये हो गयी, जो कुल वैश्विक बिक्री का 29 फीसदी है।

भारत ने अमिरिकी सामान पर आयात शुल्क बढ़ाने का फैसला टाला

नई दिल्ली,15 मई (ए)। भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाने का निर्णय 16 जून तक टालने का निर्णय की है। सरकार के मंगलवार को यहां जारी एक बयान में कहा गया कि भारतीय बाजार में कुछ अमेरिकी उत्पादों के आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी करने के निर्णय को 16 जून तक टालने का फैसला किया है।आयात शुल्क में वृद्धि 16 मई से प्रभावी होनी थी। अमेरिका ने पिछले साल भारतीय स्टील और एल्युमिनियम को आयात कर से छूट नहीं देने का फैसला किया था। इसके बाद जून में भारत ने अमेरिकी बादाम, अखरोट और सेब जैसे उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाने घोषणा की लेकिन इस बार बार टाला जाता रहा है। इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लगातार बातचीत चल रही है और हाल में अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्बुर रोस भारत यात्रा पर आये थे।

दिनभर की तेजी गंवाकर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 203 अंक टूटा

मुंबई,15 मई (ए)। दिनभर की तेजी गंवाकर बंद हुआ शेयर बाजार। सेंसेक्स 203.65 अंक और निफ्टी 65.05 अंक की गिरावट के साथ क्रमशः 37,114.88 और 11,157 पर बंद। शेयर बाजार की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 220 अंक ऊपर 37,539.05 पर खुला। कारोबार के दौरान 241 अंक चढ़कर 37,559.67 तक पहुंचा। निफ्टी की ओपनिंग 50 प्वाइंट की बढ़त के साथ 11,271.70 पर हुई। यह 11,286.80 के स्तर तक पहुंचा। लेकिन, ऊपरी स्तरों से बिकवाली हावी हो गई और दोनों इंडेक्स पूरी बढ़त गंवाकर फ्लैट स्तरों पर आ गए।

कारोबार के दौरान पावर ग्रिड, एचसीएल टेक और पावर ग्रिड के शेयरों में 1-1 फीसदी बढ़त दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज, वेदांता और एसबीआई में 0.5प्रतिशत से ज्यादा तेजी आई। सेंसेक्स के 30 में से 19 और निफ्टी के 50 में से 31 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। एनएसई के 11 में से 9 सेक्टर इंडेक्स में तेजी आई। रिएलिटी इंडेक्स 0.95प्रतिशत चढ़ गया।

दूसरी ओर यस बैंक के शेयर में 3प्रतिशत और भारती एयरटेल में 2प्रतिशत नुकसान दर्ज किया गया। सन फार्मा, ग्रासिम और अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.5 से 1प्रतिशत तक गिरावट देखी गई।

रुपया डॉलर के मुकाबले 23 पैसे मजबूतः चीन के बीच व्यापार वार्ता की संभावना, घरेलू शेयर बाजारों की शुरुआती बढ़त, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 23 पैसे मजबूत होकर 70.21 रुपए प्रति डॉलर पर पहुंच गया। मुद्रा डीलरों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंगलवार को चीन-अमेरिका के व्यापार समझौते तक पहुंचने के संकेत देने के बाद निवेशकों की धारणा को बल मिला। मंगलवार को रुपया डॉलर के मुकाबले सात पैसे सुधर कर 70.44 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव रहा और इसने रुपए की तेजी को थामने का प्रयास किया।

जेपी इन्फ्राटेक के वित्तीय ऋ णदाता एनबीसीसी की बोली पर करेंगे मतदान, रोक की अपील खारिज

नई दिल्ली,15 मई (ए)। कर्ज के बोझ से दबी जेपी इन्फ्राटेक की ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी की संशोधित पेशकश पर मतदान करने का फैसला किया है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि जेपी इन्फ्राटेक के बैंक हालांकि मतदान के पक्ष में नहीं है लेकिन 20,000 से अधिक घर के खरीदार चाहते हैं कि मतदान किया जाए। सूत्रों ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को शुरू होकर रविवार को समाप्त होगी। इसके नतीजों की घोषणा 20 मई को की जाएगी।

मंगलवार को हुई सीओसी की बैठक में बैंक शामिल हुए और उन्होंने एनबीसीसी की बोली पर मतदान का विरोध करते हुए आगे और बातचीत पर जोर दिया। सीओसी द्वारा मतदान का फैसला करने के बाद बैंकों ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के समक्ष मतदान की प्रक्रिया रुकवाने के लिए अपील की। हालांकि, एनसीएलएटी ने इस पर स्थगन देने से इनकार कर दिया।

एनसीएलएटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति एस जे मुखोपाध्याय की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि यदि वे इस प्रक्रिया को रोकने की कोशिश करेंगे तो उन्हें 'शून्य राशि प्राप्त होगी। पीठ ने कहा कि हजारों घर खरीदारों का हित सर्वोपरि है और यदि बोली लगाने वाली सिर्फ एक कंपनी है तब भी इस मामले को निपटाया जाना चाहिए। सीओसी की बैठक के दौरान बैंकरों ने यह भी प्रस्ताव किया कि वे जेपी इन्फ्राटेक का नियंत्रण अपने हाथ में लेंगे और 20,000 देरी वाले फ्लैटों को पूरा करने के लिए एनबीसीसी को परियोजना प्रबंधन परामर्शक (पीएमसी) नियुक्त किया है।

बैंकों ने संशोधित बोली का विरोध ऐसे समय किया है जबकि एनबीसीसी ने सोमवार को कुछ शर्तों को नरम करने से इनकार कर दिया था। इनमें कर देनदारी से छूट भी शामिल है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि घर के खरीदारों की राय भिन्न थी। सीओसी में घर के खरीदारों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुलदीप वर्मा चाहते थे कि मतदान में देरी नहीं की जाए। वर्मा ने समिति को यह भी बताया कि हजारों घर के खरीदारों ने उनसे कहा है कि वे संशोधित बोली पर मतदान के पक्ष में हैं।

सूत्रों ने बताया कि वर्मा के विचारों को इसलिए माना गया क्योंकि सीओसी में घर के खरीदारों के पास 60 प्रतिशत मताधिकार है। किसी निपटान योजना पर मंजूरी के लिए वित्तीय ऋणदाताओं (बैंकरों और घर खरीदारों) के पास न्यूनतम 66 प्रतिशत मताधिकार होने चाहिए। जेपी इन्फ्राटेक के अंतरिम निपटान पेशेवर अनुज जैन ने भी संशोधित बोली पर मतदान प्रक्रिया का पक्ष लिया। सूत्रों ने बताया कि बहुलांश घर खरीदार एनबीसीसी की बोली के पक्ष में मत देंगे लेकिन इस बात की आशंका है कि बैंक इसे खारिज कर परिसमापन का विकल्प चुन सकते हैं क्योंकि उन्हें अपने 9,782 करोड़ रुपए के दावे पर 60 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पहली बार नोकिया 4.2 से मिलेगा ज्यादा फैंस को अत्याधुनिक अनुभव

नई दिल्ली,15 मई (ए)। होम ऑफ नोकिया फोंस, एचएमडी ग्लोबल ने घोषणा की कि अत्यधिक किफायती मूल्यों में स्मार्टफोन का लेटेस्ट अनुभव देने वाला पहला नोकिया 4.2 स्मार्टफोन भारत आ रहा है। सबसे खास, स्कल्पटेड-ग्लास डिज़ाईन एवं सेल्फी नॉच डिस्प्ले वाला यह स्मार्टफोन बाहर से बहुत खूबसूरत है। इसमें ड्युअल रियर कैमरा, बायोमीट्रिक फेस अनलॉक और लेटेस्ट जनरेशन क्वालकोम स्नैपड्रैगन चिपसेट है तथा यह लेटेस्ट एन्ड्रॉयड 9 पाई पर चलता है।

अजय मेहता, वाईस प्रेसिडेंट एवं कंट्री हेड- इंडिया, एचएमडी ग्लोबल ने कहा, ''एक किप ऊायती स्मार्टफोन का मतलब यह नहीं कि आपको लेटेस्ट ट्रेंड एवं आकर्षक विशेषताओं से समझौता करना पड़े। मुझे भारत में अपने फैंस के लिए सीरीज़ के पहले नोकिया 4.2 स्मार्टफोन के आगमन की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। एडैप्टिव बैटरी जैसी एआई-पॉवर्ड खूबियों से लेकर गूगल असिस्टैंट बटन द्वारा अपने स्मार्टफोन से इंटरैक्ट करने के ज्यादा आधुनिक एवं पर्सनल तरीके और बायोमीट्रिक फेस अनलॉक से लेकर एन्ड्रॉयड 9 पाई की लेटेस्ट इनोवेशंस एवं अगले 2-लैटर्स एन्ड्रॉयड अपडेट्स के वायदे तक, नोकिया 4.2 हमारे उस वायदे को बरकरार रखता है, जो हम अपने सभी स्मार्टफोंस के साथ ग्राहकों से करते हैं, कि उन्हें अपने हाथों में सर्वश्रेष्ठ अनुभव के साथ ज्यादा बेहतर स्मार्टफोन मिलेगा।''

गूगल असिस्टैंट बटन के साथ नोकिया 4.2 आपका स्मार्टफोन का उपयोग करने का तरीका बदल देगा। आपको गूगल असिस्टैंट की इंस्टैंट एक्सेस पाने के लिए एक बार प्रेस करना है और आपको मदद मिलना शुरू हो जाएगी। यह आपको डायरेक्शंस, कॉल करने, संगीत सुनने, उत्तर तलाशने जैसे अनेक कामों में मदद करेगा। गूगल असिस्टैंट पहले से ज्यादा तेजी से काम करने और इन्फॉर्मेशन प्राप्त करने में मदद कर सकता है। आप दो बार प्रेस करके गूगल असिस्टैंट से अपने दिन का विज़्युअल स्नैपशॉट प्राप्त कर सकते हैं।

अमरीका-चीन की ट्रेड वार में भारत को फायदे के साथ नुक्सान भी

नई दिल्ली,15 मई (ए)। अमरीका और चीन के बीच ट्रेड वार या टैरिफ वार में भारत को फायदे से अधिक नुक्सान की आशंका है। विदेश व्यापार के विशेषज्ञों के मुताबिक 'अमरीका फर्स्ट तो चीन फर्स्ट' की जंग में निश्चित रूप से कुछ वस्तुओं के निर्यात में बढ़ौतरी होगी लेकिन 2 दिग्गजों की इस लड़ाई में नुक्सान की आशंका ज्यादा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक अमरीका-चीन के बीच चलने वाली टैरिफ वार से वित्त वर्ष 2018-19 में जून से लेकर मार्च के बीच अमरीका होने वाले भारतीय निर्यात में पूर्व वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 15 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया। वहीं इस अवधि में चीन होने वाले निर्यात में 33 प्रतिशत की बढ़ौतरी हुई।

अमरीका-चीन की लड़ाई में भारत के व्यापार को मिलेगा लाभः फैडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के महानिदेशक एवं सी.ई.ओ. अजय सहाय ने बताया कि अमरीका-चीन की इस लड़ाई में भारत के व्यापार को लाभ मिलेगा लेकिन इन दोनों के बीच टैरिफ वार से विश्व व्यापार पर विपरीत असर पड़ेगा जो भारत के कुल निर्यात को प्रभावित करेगा। उन्होंने बताया कि चालू वर्ष की पहली तिमाही में विश्व व्यापार नकारात्मक में है और इस ट्रेड वार से विश्व व्यापार और संकुचित हो सकता है। सहाय ने बताया कि अमरीका एवं चीन के बीच ट्रेड वार से दुनिया भर में अनिश्चितता का माहौल बनेगा जिससे भारत में होने वाले निवेश में कमी आ सकती है क्योंकि अनिश्चितता के माहौल में निवेशक निवेश करने से पीछे हट जाता है। वहीं भारतीय करंसी में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। कच्चे तेल की कीमत में बढ़ौतरी शुरू हो गई है, इससे भारतीय करंसी के कमजोर होने की आशंका प्रबल हो जाती है। हालांकि जानकार यह भी कह रहे हैं कि चीन में काम करने वाली कई कम्पनियां भारत शिफ्ट हो सकती हैं क्योंकि उन्हें भी अमरीका द्वारा ड्यूटी में बढ़ौतरी का खमियाजा उठाना पड़ेगा।

भारत में अमरीकी उत्पादों पर जवाबी आयात शुल्क लगाने की बढ़ सकती है समय-सीमा:अमरीका से भारत में आयात किए जाने वाले उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने की समय-सीमा एक माह और आगे बढ़ सकती है। भारत ने अमरीका से आयात होने वाले 29 उत्पादों की शुल्क बढ़ाने के लिए पहचान की है। इसमें अखरोट, बादाम और दालें शामिल हैं। इस संबंध में पिछली बार बढ़ाई गई समय-सीमा 16 मई को समाप्त हो रही है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने इस संबंध में वित्त मंत्रालय को समय-सीमा बढ़ाने के बारे में जरूरी अधिसूचना जारी करने के लिए कहा है। पिछले साल जून 2018 के बाद से अमरीका से आयात होने वाले सामान पर जवाबी शुल्क लगाने के बारे में समय-सीमा को कई बार बढ़ाया जा चुका है। अमरीका ने पिछले साल भारत सहित विदेशों से आयात होने वाले इस्पात और एल्यूमीनियम के उत्पादों पर ऊंचा सीमा शुल्क लगा दिया था।